



DR. NALINI PARTHASARATHI

Dr. Nalini Parthasarathi, popularly hailed as Mother Theresa of Puducherry, is known for contributing richly to the growth of Medical Education, Medical care and Human welfare in the tiny territory of Puducherry.

2. Born on 28th May, 1944, Dr. Nalini graduated from Seethalakshmi Ramasamy College Trichy and acquired M.B.B.S and M.D. (Pediatrics) from Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research (JIPMER), an Institute of national importance. She has had a chequered professional career spanning over 50 years, joining her own alma mater as a Senior Resident in 1970. She had a phenomenal rise in her career to occupy the coveted position of Professor and Director Professor in Pediatrics in JIPMER in 2003. She also served Pondicherry Institute of Medical Sciences, a pioneering medical Institution of Puducherry, as a Professor and Head of the Department of Pediatrics for seven years.

3. Dr. Nalini has rendered yeoman service in the cause of child welfare and Hemophilia. As a Doctor (Pediatrician) in JIPMER, she used to cure child diseases with ease and painless methods. She was very popular and loved by the people and children from Puducherry and the neighbouring districts of Tamil Nadu.

4. Another monumental contribution of Dr. Nalini can be seen in the realm of Hemophilia care in the Union Territory of Puducherry. She has dedicated herself to the care of persons with Hemophilia for about 30 years there by popularizing this specialization in the Union Territory. She was instrumental in the establishment of Hemophilia Society of Puducherry and she became its Founder President. She established Diagnostic and Lab services in JIPMER and regular care of Hemophilia patients. With the kind offices of Chief Minister of Puducherry and the Indian Oil Corporation, she was able to construct a new building for the office of Hemophilia Society of Puducherry, an NGO running only through collection of donations from well wishers. She herself donates One Lakh Rupees every year and in year 2021, she donated Rupees Ten Lakhs to the society for building expansion. Hemophilia Society offers Financial support for education of school children and college students. Hemophilia Carrier Women Self Help Group (Hemophilia Nalinam) and Youth (with Hemophilia) Group was established by her. She also helps financially for the marriage of Hemophiliacs.

5. Due to the continuous efforts of Dr. Nalini, Free Factor Treatment for Persons with Hemophilia is now available in JIPMER, Indira Gandhi Government General Hospital, Puducherry and Government General Hospital, Karaikal



डॉ. नलिनी पार्थसारथी

पुदुचेरी की मदर टेरेसा के रूप में लोकप्रिय डॉ. नलिनी पार्थसारथी को पुदुचेरी के छोटे से क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के विकास, चिकित्सा देखभाल और मानव कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए जाना जाता है।

2. 28 मई, 1944 को जन्मी, डॉ. नलिनी ने सीतालक्ष्मी रामासामी कॉलेज त्रिची से स्नातक किया और जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जेआईपीएमईआर), जो राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, से एमबीबीएस और एमडी (बाल रोग) किया। उनका 50 से अधिक वर्षों का एक उतार-चढ़ाव वाला पेशेवर करियर रहा है। 1970 में एक सीनियर रेजिडेंट के रूप में उन्होंने पूर्व संस्थान में कार्य शुरू किया। उन्होंने अपने करियर में अभूतपूर्व प्रगति की और 2003 में जेआईपीएमईआर में बाल रोग विभाग में प्राध्यापक और निदेशक प्राध्यापक के प्रतिष्ठित पद पर नियुक्त हुईं। उन्होंने पुदुचेरी के एक अग्रणी चिकित्सा संस्थान पांडिचेरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के प्राध्यापक और बाल रोग विभाग के प्रमुख के रूप में सात साल तक सेवा की।

3. डॉ. नलिनी ने बाल कल्याण और हीमोफीलिया के क्षेत्र में सराहनीय सेवा की है। जेआईपीएमईआर में एक चिकित्सक (बाल रोग विशेषज्ञ) के रूप में, वह सहजता से और दर्द रहित तरीकों से बाल रोगों का इलाज करती थीं। वह पुदुचेरी और तमिलनाडु के पड़ोसी जिलों के लोगों और बच्चों में बहुत लोकप्रिय थीं और लोग उनसे प्यार करते थे।

4. डॉ. नलिनी का एक और महत्वपूर्ण योगदान संघ राज्य क्षेत्र पुदुचेरी में हीमोफिलिया की चिकित्सा के क्षेत्र में है। उन्होंने लगभग 30 वर्षों तक समर्पित होकर हीमोफिलिया से पीड़ित लोगों का इलाज किया और इस प्रकार, संघ राज्य क्षेत्र में इस विशेषज्ञता को लोकप्रिय बनाया। हीमोफिलिया सोसाइटी ऑफ पुदुचेरी की स्थापना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी और वह इसकी संस्थापक अध्यक्ष बनीं। उन्होंने जेआईपीएमईआर में डायग्नोस्टिक और लैब सेवाओं की स्थापना की और हीमोफिलिया के रोगियों की नियमित देखभाल व्यवस्था की। पुदुचेरी के मुख्यमंत्री और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के सहयोग से उन्होंने हीमोफिलिया सोसाइटी ऑफ पुदुचेरी के कार्यालय के लिए एक नई इमारत का निर्माण कराया, जो एक गैर सरकारी संगठन है और शुभचिंतकों के दान से चलता है। वह स्वयं प्रति वर्ष एक लाख रुपये दान करती हैं और वर्ष 2021 में उन्होंने भवन विस्तार के लिए दस लाख रुपये इस सोसाइटी को दान किए। हीमोफिलिया सोसायटी स्कूली बच्चों और कॉलेज के छात्रों की शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। उन्होंने हीमोफिलिया कैरियर वुमेन सेल्फ हेल्प ग्रुप (हेमोफिलिया नलिनम) और यूथ (विथ हेमोफिलिया) ग्रुप की स्थापना की। वह हीमोफीलिया के मरीजों की शादी के लिए आर्थिक मदद भी करती हैं।

5. डॉ. नलिनी के निरंतर प्रयासों के कारण, हीमोफिलिया से पीड़ित व्यक्तियों के लिए निः शुल्क उपचार अब जेआईपीएमईआर, इंदिरा गांधी सरकारी सामान्य अस्पताल, पुदुचेरी और सरकारी सामान्य अस्पताल, कराईकल में उपलब्ध है।